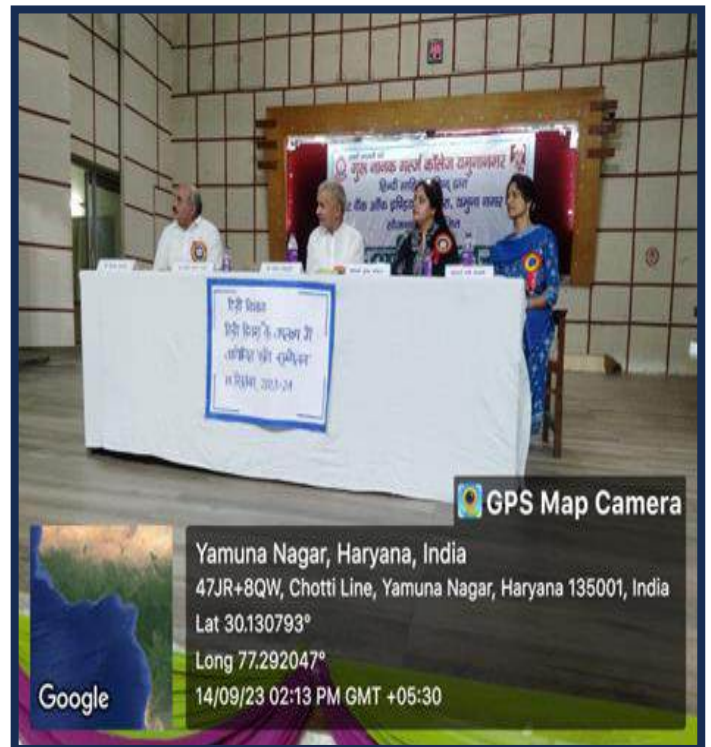


Department of Hindi

A two-day Hindi Diwas was organized with the courtesy of Hindi Department and State Bank of India, Santpura (branch). On the first day of the program, the students were shown a film based on Premchand's novel Gaban. On the second day, a Kavi Sammelan was organized, in which Jangsher Shastri, Dr. Umesh Pratap Vats, Madan Sheikhpuri, Poonam Kaushal, Varsha Kajal mesmerized everyone with their poems. Dr. Umesh paid tribute to the soldiers who were martyred in Anantnag through his poem. Undergraduate and Postgraduate students participated in the programme enthusiastically.



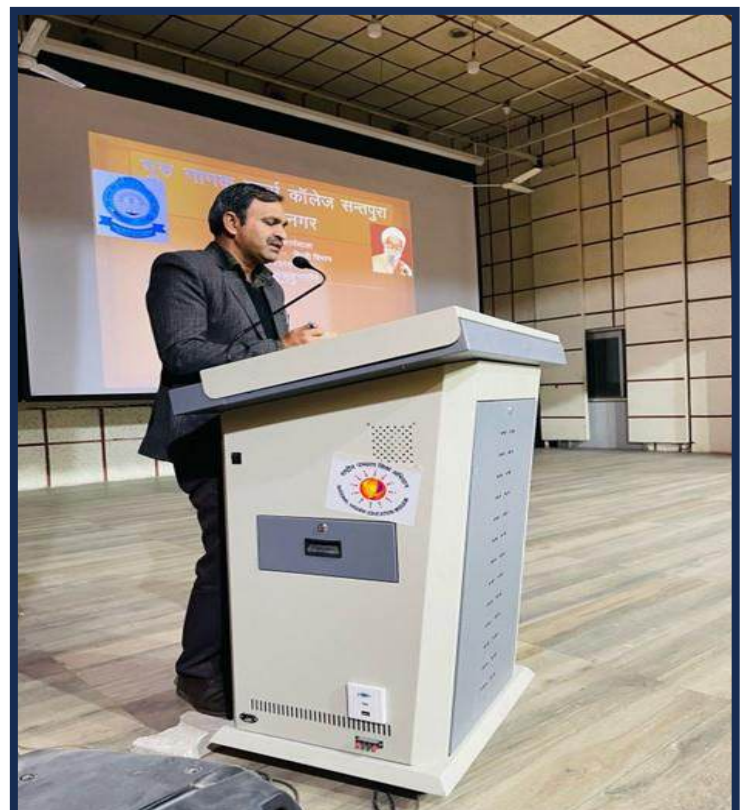


An extension lecture on 'Bhasha Vigyan' was organized by the Hindi department. The chief guest of the program was Dr. Bahadur Singh. The aim of the lecture was to enhance the understanding and development of linguistics among the students. All the graduate and post graduate students participated in the program with great enthusiasm.





A writing workshop was organized by the Hindi Department on 19 February 2024. The chief guests of this workshop were famous litterateurs Shri Brahmдат Sharma and Dr. Radheshyam Bhartiya. About 112 students of Hindi department participated in this workshop with great enthusiasm.





Skill Education and Entrepreneurship Program was started by the Hindi Department to create various skills and employment opportunities among students. In this context, various programmes like Jute Products Entrepreneurship(10 January-24 January 2024) Jewellery Making-Toy Making(5 February-10 February 2024) and Food Preservation (26 February-7 March, 2024) programs were run by the Department in collaboration with Courtesy Punjab National Bank by Ministry of Rural Development, Government of India.





The Hindi Department of the college recognized by the Directorate of Higher Education, Panchkula, Haryana organized a one-day multidisciplinary national seminar (online/offline) on the topic 'Sahitya ke Vividh Vimarsh' on 15 March 2024. Dr. Sunita Sharma, Associate Professor and Former Head of Department, Hindi Department, Guru Nanak Dev University, Amritsar as the keynote speaker and chairperson, Dr. Ashok Kumar, Former Associate Professor, Jammu University, Jammu as the keynote speaker, Dr. Vijay Sharma, Head of Department, Sanatan Dharma Mahavidyalaya, Ambala Cantt, Keynote Speaker (Closing Session) Dr. Vishnukant Shukla, Former Head of Department, Chaudhary Charan Singh University, Meerut were present. In the technical session, Dr. Praveen Narang, former Head of Department, Hindi, Guru Nanak Girls College Yamuna Nagar, Dr. Ritu Kumar, Principal, M.L.N. College Yamuna Nagar, Dr. Rumneet Kaur, Head of Department, English, Guru Nanak Girls College, Yamuna Nagar were present. This session was presided over by Dr. Ritu Kumar. In the program, Dr. Sunita Sharma expressed her views by shedding light on all the discussions in the society and said that today the society is grappling with various types of discussions and discussing them is also a part of the society. M.L.N. College Principal Dr. Ritu Kumar was also felicitated in this program and all the eminent personalities of Hindi literature were also felicitated. Lecturers and researchers from various colleges and universities participated enthusiastically in the program.



Seminar organized in Guru Nanak Girls College

RAJNI SONI
YAMUNANAGAR: A one-day multidisciplinary national seminar (online/offline) approved by the Directorate of Higher Education, Panchkula was organized by the Hindi Department of Guru Nanak Girls College, Yamunanagar, for various discussions on the subject literature. The seminar was organized by the college. This was done under the guidance of Director Dr. Varindra Gandhi and Principal Dr. Harvinder Kaur. Yamunanagar District Deputy Commissioner Captain Manoj Kumar was present as the chief guest in the program. In the program, Dr. Sunita Sharma expressed her views by throwing light on all the discussions of the society and said that today the society is struggling with different types of discussions and discussing them is also a part of the society. Principal of MM College present in this program was Along with honoring Ritu Kumar, all the well-known personalities of Hindi literature were also honoured.



The Department of Hindi in collaboration with the Department of Economics organized a one-day national workshop titled 'Sadhana: Surdas Kavya and Kathak' on April 4, 2024, approved by the Directorate of Higher Education Panchkula, Haryana. Former Hindi Department Head of M.L.N. College, Yamuna Nagar and senior Hindi litterateur Prof. B. Madan Mohan and senior Kathak dancer Prerna Agarwal from Hyderabad, who belongs to various Kathak gharanas, were present as the keynote speakers. The aim of the workshop was to connect our young students with the rich Indian cultural heritage by combining the poems of Surdas ji with Kathak dance.

करता हुए सफल लोग के लिए प्रारंभ पढ़ाई एवं खेला से सवायत हर शुभकामनाएं एवं आशावाद दिया।

गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज में एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

यमुनानगर (रजनी)। गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, यमुनानगर में अर्थशास्त्र व हिन्दी विभाग के संयुक्त रूप से उच्चतर शिक्षा विभाग, पंचकुला द्वारा मान्यता प्राप्त एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 'सुरदास काव्य और कथक' विषय पर आधारित रही जिसमें एम.एल.एन. कॉलेज, यमुनानगर के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार प्रो. बी. मदन मोहन और कथक के विभिन्न घरानों से सम्बद्ध हैदराबाद की वरिष्ठ कथक नृत्यांगना श्रीमती प्रेरणा अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ प्रेरणा अग्रवाल के शास्त्रीय नृत्य की मनभावन प्रस्तुति के साथ हुआ। विचार रखते हुए डॉ. बी. मदन मोहन ने सुर साहित्य की प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताया कि- सुर का समस्त जीवन कृष्ण से जुड़ा हुआ है। सुर काव्य संवाद वास्तव में समग्र कृष्ण काव्य ही कथक का मूल आधार है, तो वहीं तकनीकी सत्र में ऊधो मन नहीं दस -बीस रागिनी पर भावपूर्ण प्रस्तुति देते हुए कथक नृत्यांगना प्रेरणा अग्रवाल ने कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कथक नृत्य की बारीकियों को बताते हुए बच्चों को से कथा कि नृत्य हृदय के भावों को भाव- भंगिमाओं के माध्यम से बाहर निकालने का नाम है। कथक भावों पर आधारित है। रस निष्पत्ति के अभाव में नृत्य की सफल अभिव्यक्ति संभव नहीं है। सुर का



काव्य ही कथक का मूल आधार है, तो वहीं तकनीकी सत्र में ऊधो मन नहीं दस -बीस रागिनी पर भावपूर्ण प्रस्तुति देते हुए कथक नृत्यांगना प्रेरणा अग्रवाल ने कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कथक नृत्य की बारीकियों को बताते हुए बच्चों को से कथा कि नृत्य हृदय के भावों को भाव- भंगिमाओं के माध्यम से बाहर निकालने का नाम है। कथक भावों पर आधारित है। रस निष्पत्ति के अभाव में नृत्य की सफल अभिव्यक्ति संभव नहीं है। सुर का

'सुरदास काव्य और कथक' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद की नृत्यांगना प्रेरणा अग्रवाल ने बताई कथक की बारीकियां

यमुनानगर, 4 अप्रैल (ह.प.)

गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, यमुनानगर में अर्थशास्त्र व हिन्दी विभाग के संयुक्त रूप से उच्चतर शिक्षा विभाग, पंचकुला द्वारा मान्यता प्राप्त एकदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला 'सुरदास काव्य और कथक' विषय पर आधारित रही। जिसमें एम.एल.एन. कॉलेज, यमुनानगर के पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष व वरिष्ठ हिन्दी साहित्यकार प्रो. बी. मदन मोहन और कथक के विभिन्न घरानों से सम्बद्ध हैदराबाद की वरिष्ठ कथक नृत्यांगना प्रेरणा अग्रवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरंभ प्रेरणा अग्रवाल



धनुनाकर के गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज में वृद्धपरिवार को आर्थिक मदद के साथ हुआ। विचार रखते हुए डॉ. बी. मदन मोहन ने सुर साहित्य की प्रमुख विशेषताओं के बारे में बताया कि- सुर का समस्त जीवन कृष्ण से जुड़ा हुआ है। सुर काव्य संवाद वास्तव में समग्र कृष्ण काव्य ही कथक का मूल आधार है, तो वहीं तकनीकी सत्र में 'ऊधो मन नहीं दस -बीस' रागिनी पर भावपूर्ण प्रस्तुति देते हुए कथक नृत्यांगना प्रेरणा अग्रवाल ने कार्यशाला में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कथक नृत्य की बारीकियों को बताते हुए बच्चों से कहा कि नृत्य हृदय के भावों को भाव-

भंगिमाओं के माध्यम से बाहर निकालने का नाम है। उन्होंने कहा कि कथक भावों पर आधारित है। रस निष्पत्ति के अभाव में नृत्य की सफल अभिव्यक्ति संभव नहीं है। सुर का कथक नृत्य के बहुत समीप है। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की निर्देशिका डॉ. वरिष्ठ गांधी व प्राचार्या डॉ. हरविंदर कौर के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर कॉलेज निर्देशिका डॉ. वरिष्ठ गांधी ने कहा कि छात्रों को सुरदास की रचनाओं से अपनी प्रतिभाओं को निखारना चाहिए। कार्यक्रम में प्रो. बिकला चौहान, डॉ. गौतम ने अपनी भूमिका निभाई। इस अवसर पर महाविद्यालय के अर्थशास्त्र व हिन्दी विभाग के शिक्षकों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।